दिल्ली TODAY

www.aaamediagroup.in

Price: ₹ 2 | Print Code: 2019103307

ISSUE NO. 05 | 05-04-2021 to 11-04-2021

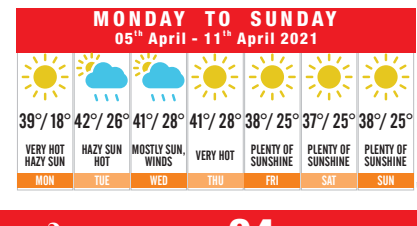

Dr. Babita
Director, BH Salvas Hospital

02 बदलेगी आपकी किस्मत?

03 क्वीन ऑफ़ इंडिया सीजन 4

04 INDIAN EDUCATION SYSTEM

"हमारा अस्पताल संभव व सर्वोत्तम इलाज के लिए तैयार रहता है।"

— **Vaishali Tyagi** (Team Delhi Today)

बी एच सलवास हॉस्पिटल, जो वर्षों से स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट स्तर को बनाए रखने के कार्य के प्रति समर्पित है । यह हॉस्पिटल गाँव हैबत पुरा, चंदन पार्क, झादौड़ा रोड नजफगढ़ क्षेत्र में स्थित एक पूरी तरह से मान्यता प्राप्त एवं मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल है।

इस अस्पताल में प्राथमिक देखभाल और विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ-साथ नर्स चिकित्सक भी हैं, जो आपातकालीन चिकित्सा सहित देखभाल की उच्च गुणवत्ता प्रदान करने की सम्पूर्ण कोशिश करते है ।

आज के हमारे इंटरव्यू स्पेशल में वैशाली त्यागी ने स्वास्थ्य सम्बंधित मुद्दों पर डॉक्टर बबीता राठी जी से बातचीत की, वह अपने आप में एक प्रसिद्ध गाइनकालजिस्ट है और साथ ही इसी अस्पताल की प्रशासनिक प्रमुख भी है - पेश है उसी वार्तालाप के मुख्य अंश -

प्र-01) डॉक्टर बबीता, इस अस्पताल के इतिहास के बारे में कुछ संक्षेप में बताइए और आपने इस संस्था में कैसे प्रवेश किया ?

डॉक्टर बबीता - जी, अगर हम इस अस्पताल के इतिहास के बारे में बात करते हैं तो इसकी स्थापना की असली प्रेरणा लोगों की चिकित्सा समस्या को प्राथमिकता के रूप में देखते हुए थी और उनकी समस्याओं का निवारण ही मुख्य कारण था । मैं चिकित्सकों के परिवार से हूँ । मेरा आसपास के लोगों से बहुत जुड़ाव है क्योंकि मेरा जन्म यही हुआ फिर मैंने प्राथमिक विद्या भी यही से ली है । इसलिए मैं लोगों की समस्याओं से भली भांति अवगत हूं। मैंने डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करने का फैसला किया। इस अस्पताल की स्थापना और खासतौर से मेरा इस संस्था से जुड़ना सिर्फ़ एक मुख्य उद्देश्य के साथ लोगों की स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं को समझना और सुलझाना है । लोगों की चिकित्सा समस्या को प्राथमिकता के रूप में देखते हुए हमने इस अस्पताल का निर्माण किया और डॉक्टर बनकर अपने लोगों की सेवा करना ही हमारा महत्वपूर्ण और साहसी कदम है है । इस तरह की कोई चिकित्सा सुविधा न होना और हर मरीज को एक छोटे से इलाज के लिए भी इतनी दूर जाना पड़ता था । इसी अभियान के चलते हमने इस अस्पताल की शुरुआत की और समाज सेवा में एक अहम भूमिका निभाने का जिम्मा उठाया ।

प्र-02) जैसा कि यह एक मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल है और कौन सी विशेष सेवाएं यहाँ उपलब्ध हैं ?

डॉक्टर बबीता - अगर हम अस्पताल की विशेषता के बारे में बात करते हैं तो हम महिलाओं से संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों के लिए सबसे अच्छी देखभाल और सर्वोत्तम उपचार प्रदान करते हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में, महिलाओं को अपने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में अधिक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है जो कि किसी भी छोटी चिकित्सा समस्या से लेकर प्रजनन संबंधी देखभाल जैसे बड़े मुद्दों तक होती हैं। सेहत की बात आती है तो महिलाओं को बहुत तकलीफ होती है, पर इस मुद्दे पर कोई विशेष ध्यान नही देता । यहाँ तक की महिलाएं खुद इस पर गौर नहीं करती । उन्हें उचित देखभाल प्रदान नहीं की जाती है और बुनियादी देखभाल के बारे में जागरुक नहीं किया जाता है पर यह कितना महत्वपूर्ण है। हमारे अस्पताल में महिलाओं की देखभाल के लिए विशेष और अग्रणी स्टाफ है। हमारे पास अच्छी तरह से योग्य महिला डॉक्टर हैं और एक अच्छी तरह से योग्य नर्सिंग स्टाफ भी है। मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के साथ, हमारा अस्पताल महिलाओं की देखभाल करने में सर्वश्रेष्ठ सेवा देता है और इस इलाके में सबसे अच्छी स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं देता है और सबसे अच्छा साबित होता है।

प्र-03) भारत में महिलाएं इन दिनों विभिन्न स्त्री रोग संबंधी समस्याओं से पीड़ित हैं। इसके पीछे क्या मुख्य कारण है और जागरुकता की कमी भी कही ना कही एक बड़ी वजह है । आप एक गाइनकॉलजिस्ट होने के नाते इस पर कुछ प्रकाश डालिए ।

डॉक्टर बबीता - इस समस्या के पीछे मूल कारण जागरुकता की कमी है। आसपास की सभी महिलाएं या आप कह सकते हैं कि बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं इस बात से अवगत नहीं हैं कि स्वास्थ्य देखभाल का क्या महत्व है। समस्या को जानने के बाद भी कुछ महिलाएं घरेलू उपचार से अपना इलाज करती है । हम यह नहीं कह रहे हैं कि यह गलत है और न ही हम इसे बढ़ावा दे रहे हैं। लेकिन अगर यह गलत हो जाता है, तो यह बहुत हानिकारक और कष्टदायक साबित हो सकता है । सामाजिक संरचना के कारण, हमारे समाज में महिलाएं अपनी समस्याओं को ही नहीं पहचान पाती हैं। वे सिर्फ इस बात को नजरअंदाज करती रहती हैं और बीमारी के इलाज में देरी करती रहती हैं। उदाहरण के लिए यदि किसी महिला के पास माहवारी से जुड़ा कोई मुद्दा है, जैसे ज्यादा भारी रक्तस्राव होना, ऐसी समस्या में वह न तो डॉक्टर के पास जाएगी और न ही किसी मेडिकल प्रैक्टिशनर से सलाह लेंगी बल्कि 'दादी या नानी के नुस्खे' उन्हें ज्यादा विश्वसनीय लगते है । असली समस्या यहीं है। जागरुकता की कमी। पुरुषों में भी जागरुकता की कमी के कारण, वे इसे अछूत और टैबु समझते है और इसके बारे में बात नहीं करना चाहते हैं। जब स्थिति हाथ से निकल जाती है, तब जाकर महिलाएं परिवार के अन्य सदस्यों को अपनी समस्या के बारे में बताती हैं और समस्याओं के बड़ा रुप लेने के बाद ही वे डॉक्टर के पास जाने की संभावना बनाती है । इसलिए मूल रुप से अंत में, लगभग हर मुद्दे के पीछे महिलाओं में जागरुकता की कमी ही इस समस्या का बड़ा संकेत नज़र आता है ।

साथ ही, पुरुष प्रधान समाज के कारण जागरुकता की कमी भी महिलाओं के मुद्दों को न समझने का एक बड़ा कारण है। हमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए बेहतर और समृद्ध जीवन के लिए उस अभिविन्यास को बदलने की आवश्यकता है।

प्र-04) भारत का सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय जीडीपी का 1.5% या उसके लगभग है, लेकिन इन नंबरों पर एक नज़र से पता चलता है कि महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य में निवेश कहीं कम है। स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में यह आपकी प्रैक्टिस को कैसे प्रभावित करता है? भारतीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली और अपनी सेवाओं को देने में आपके सामने क्या चुनौतियां हैं?

डॉक्टर बबीता - हां आपका सवाल बिल्कुल सही हैं, वैशाली। मैं इससे पूरी तरह से सहमत हूं। यदि हम संख्याओं पर विचार करते हैं, तो जो राशि महिलाओं के यौन स्वास्थ्य के लिए निर्धारित है वह काफी नहीं है, साथ ही मौजूदा राशि का भी उचित तरीके से इस्तेमाल नहीं हो रहा है । सच्चाई यह है कि अगर हम महिलाओं के स्वास्थ्य को लें तो यह समाज की रीढ़ है। अगर महिलाएं स्वस्थ हैं, तो इसका मतलब है कि पूरा परिवार स्वास्थ्य है और इसका मतलब है कि पूरा समाज मजबूत और स्वस्थ है। हमारे समाज में महिलाओं की परिवार और समाज में अधिक जिम्मेदार भूमिका होती है और मैं तो कहूँगी पुरुषों से कई अधिक है । जैसा कि हमारे समाज में एक तरह से संरचित ढाँचा है, जहां पुरुषों को बाहर काम करने के लिए और महिलाओं को घर पर रहने और बच्चों की देखभाल करने के लिए बनाया गया है। भारतीय समाज में, महिलाएं अपने परिवार के लिए बहुत त्याग करती हैं, और कहीं न कहीं वे इस त्याग में अपनी सेहत व खुद की देखभाल नहीं कर रही हैं, यह हमारे पूरे समाज को कमजोर करता है। अगर हम अपने ग्रामीण समाज को देखें तो महिलाओं की स्थिति पोषक तत्वों के सेवन से लेकर स्वच्छता तक कम है। महिलाएं विटामिन, कैल्शियम और प्रोटीन की कमी के कारण कई बड़ी बीमारियों का शिकार बन जाती है । यहां हमारा अस्पताल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और समाज के हर वर्ग की महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के बारे में जागरुक करने में मदद करता है।दूसरा बड़ा कारण, हमारी सामाजिक प्रणाली इस मुद्दे को कुछ महत्वपूर्ण नहीं मानती है। हमारे समाज को समृद्ध करने के लिए, और हमारी प्रजाति को सफल रुप से आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं की देखभाल करना सबसे महत्वपूर्ण है और महिला स्वास्थ्य वास्तव में गौर करने के लिए एक भावनात्मक मुद्दा है।

प्र-05) आपका अस्पताल आपातकालीन मामलों से कैसे निपटता है ? मान लीजिए कोई एक्सीडेंटल केस आता है तो आपका अस्पताल प्रबंधन उन परिस्थितियों को कैसे संभालता है ?

डॉक्टर बबीता - देखें, आपातकालीन मामलों के लिए हमारे पास ऐसे मुद्दों से निपटने के लिए विशेष विभाग है। हर अस्पताल में यह सुविधा है लेकिन हमारे अस्पताल में विशेष आपातकालीन कर्मचारी हैं। यहां तक कि डॉक्टरों के अलावा हमारी नर्सों या कर्मचारियों को भी आपातकालीन मामलों से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। इसके अलावा, हमारे पास 24X7 चिकित्सा विशेषज्ञ सेवा है। हमारे अस्पताल और डॉक्टरों की अच्छी विशेषज्ञ टीम ऐसे मामलों से स्मार्ट प्रणाली और सावधानी से निपटती है और रोगियों को स्वस्थ बनाती है।

विशेष सूचना

मैडम, इस समय कोविड -19 फिर से चरम पर है और आप क्या कुछ अपनी विशेष टिप्पणी देना चाहेंगी उन तमाम लोगों को बाहर निकल कर काम पर जाते है और उन सब मरीजों को जो आपके अस्पताल में इलाज के लिए आते है ?

मैं तो यही कहूँगी की जितना हो सके सुरक्षित रहे । सिर्फ़ कोविड - 19 जैसी महामारी से नहीं बल्कि और भी कई चीजें जिनसे हमारे आसपास बीमारी बनने का खतरा रहता है । जैसे प्रदूषण से सांस की बीमारी या साफ सफाई न होने के कारण दूसरी बीमारियों का पनपना । हमारे अस्पताल की बात करे तो हम सरकारी दिशा-निर्देशों का ठीक से पालन कर रहे हैं और उचित प्रबंधन के साथ नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे है ।

आज हमारे साथ जुड़ी प्रसिद्ध गायनकॉलिजस्ट डॉक्टर बबीता जिन्होंने कुछ अहं मुद्दों पर और विशेष रुप से महिला स्वास्थ्य पर बात की ।हम आपको बहुत शुभकामनाएं देते है डॉक्टर, स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाएं प्रदान करने के लिए ।मुख्य तौर पर जो आपका अस्पताल निशुल्क सेवाएं प्रदान कर रहा है जैसे महिला रोग विशेषज्ञ भी फ्री चेकप करते है और अंत में जैसा आपने बताया आपके अस्पताल में कोविड-19 का टीका भी निःशुल्क लगाया जा रहा है , सरकार द्वारा सुनिश्चित गाइडलाइनस के अनुसार ।

हमारे साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद डॉक्टर हम आपको आवश्यक एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और समाज की सेवा करने के लिए बधाई देते हैं जिस क्षेत्र को अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता है।

धन्यवाद, वैशाली जी हम आपके बहुत आभारी है हमें इस इंटरव्यू में आमंत्रित करने के लिए ।

सुरक्षित रहे, और अपने आसपास लोगों का ध्यान रखें और लोगों को स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के बारे में अवगत कराए ।

CALL: 999 078 0442/ 0443

B. H. SALVAS HOSPITAL

A MULTISPECIALITY HOSPITAL

- स्त्री रोग विशेषज्ञ
- हड्डी रोग विशेषज्ञ
- न्यूरोलॉजिस्ट
- बाल रोग विशेषज्ञ
- दंत रोग विशेषज्ञ
- चर्म व गुप्त रोग विशेषज्ञ
- हृदय रोग विशेषज्ञ
- नॉक, कोन व गाला रोग विशेषज्ञ

विशेष सुविधा

- 24x7 इमरजेंसी , लैब व दवाइयां उपलब्ध
- सामान्य और सिजेरियन सर्जरी
- आधुनिक उपकरण के साथ ICU एवं NICU
- ट्रॉमा सेंटर, ऑर्थो ओपीडी एवं फ़िज़ियोथैरेपी
- डिजिटल एक्सरे, अल्ट्रासाउंड व सी टी स्कैन
- आधुनिक मॉडुलर OT एवं लैब रूम
- फ्री स्त्री रोग विशेषज्ञ
- दंत OPD

प्लॉट नंबर। 6 & B6, गाँव हैबतपुरा, चंदन पार्क, झाडौदा रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली- 110072
Website: www.bhsalvas.com | E-mail: bhsalvas@gmail.com

6 अप्रैल को होगा गुरु का राशि परिवर्तन...

क्या बदलेगी आपकी किस्मत?

— आचार्य राजीव

देव गुरु बृहस्पति को सर्वाधिक शुभ एवं शीघ्रफलदाई ग्रह माना गया है। गुरु ग्रह को धन, ज्ञान और सत्कर्म का कारक माना जाता है। सौरमंडल में यह विशाल ग्रहों में से एक है। जो कि विवाह और सुखी दाम्पत्य के कारक माने जाते हैं। और बृहस्पति देव देवताओं के गुरु माने जाते हैं। यह धनु व मीन राशि के स्वामी है। गुरु ग्रह की चाल बदलने के कारण कई राशियों पर इसका सकारात्मक असर पड़ेगा तो कुछ राशियों पर इसका नकारात्मक असर भी दिखाई देगा।बृहस्पति 6 अप्रैल को मकर राशि की यात्रा समाप्त करके कुंभ राशि में प्रवेश कर रहे हैं, इस राशि पर ये 13 सितंबर तक गोचर करेंगे। अपनी इस यात्रा के मध्य ये 20 जून की रात्रि 8 बजकर 28 मिनट पर वक्री होंगे और उसी अवस्था में चलते हुए पुनः14 सितंबर की दोपहर 2 बजकर 28 मिनट पर मकर राशि में प्रवेश कर जाएंगे। बीते 13 महीनों से मकर राशि में शनि के साथ चल रहे बृहस्पति 5 अप्रैल 2021 दिन सोमवार को रात्रि 24:22 बजे अपनी राशि बदलकर कुंभ में आ जाएंगे। कुंभ राशि भी शनि की राशि है जो बृहस्पति की शत्रु राशि है। इसलिए देश और दुनिया के लिए अभी माहौल नहीं बदलेगा। अभी 13 महीने इसी तरह चलता रहेगा। बृहस्पति 20 जून को वक्री होकर 14 सितंबर को पुनः मकर राशि में वापस आएंगे और 20 नवंबर तक मकर में ही रहेंगे, किंतु 20 नवंबर से और 13 अप्रैल 2022 तक कुंभ में ही विचरण करेंगे

मेष राशि- छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त हो सकती है। नव विवाहितों को संतान प्राप्ति का योग बन सकता है। धार्मिक कार्यों में शामिल हो सकते हैं।गुरु का गोचर मेष राशि वालों को धन और व्यापार के मामले में शुभ फल प्रदान कर सकता है. आर्थिक मामलो में चली आ रही दिक्कत दूर होगी. विदेशी संपर्कों से लाभ होगा.. निवेश आदि से भी लाभ प्राप्त कर सकते हैं. मान सम्मान में भी वृद्धि होगी.

वृषभ राशि- करियर की दृष्टि से गुरु शुभ परिणाम लेकर आ रहे हैं. अगर जॉब आदि की तलाश कर रहे हैं तो इसमें सफलता मिल सकती है. वरिष्ठ लोगों का सहयोग और सलाह प्राप्त होगी. प्रतिष्ठा में वृद्धि कराएगा। शासन सत्ता से आपेक्षित सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि- धर्म कर्म के कार्यों में रुचि लेंगे. यात्रा आदि का भी योग बन सकता है. जो विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयार कर रहे हैं उन्हें अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संबंधों में मधुरता आएगी।

कर्क राशि- गुरु के गोचर से जीवन में कुछ अचानक घट सकता है. इसलिए सचेत और सतर्क रहें. सेहत का ध्यान रखें. जॉब और करियर को लेकर अच्छे फल प्राप्त हो सकते हैं. कुछ पारिवारिक कार्य में व्यस्त हो सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी

सिंह राशि- गुरु का गोचर आपको वाद विवाद की स्थिति से बचने की सलाह देता है. दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहे. इसके लिए प्रयास करने होंगे. गलत कार्यों को करने से बचें. अपने सहयोगियों को प्रसन्न रखें. यदि आप विवाह की दहलीज पर हैं तो यह गुरु विवाह के बंधन मे बांध सकता है। रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। रचनात्मक प्रयासों में सफलता मिलेगी।

कन्या राशि- गुरु गोचर काल के दौरान आपको मिलेजुले फल प्राप्त होंगे. जॉब बदलने के बारे में सोच रहे हैं तो जल्दबाजी न करें. सेहत का ध्यान रखें. विवाद की स्थिति से दूर रहें. आपकी राशि से छठे गुरु रोग और विरोधी बढ़ाएगा। कुछ पारिवारिक और कुछ व्यावसायिक परेशानी दे सकता है। चने की दाल दान करें। संयम से काम लें।

तुला राशि- कार्यकुशलता बढ़ेगी। संतान पक्ष से संतुष्टि रहेगी। राजनीतिक लोगों से संपर्क बढ़ेगा। प्रतिष्ठा एवं सम्मान के योग बन रहे हैं। बड़े-बुजुर्गों से सहयोग मिलेगा, संतान से जुड़ी कोई परेशानी दूर होगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है, यदि उच्च शिक्षा ग्रहण करने का विचार कर रहे थे तो उसके लिए भी समय अच्छा है।किसी नए मेहमान का आगमन संभव है। घर में किसी विवाहयोग्य सदस्य का विवाह संपन्न हो सकता है।

वृश्चिक राशि- गुरु का गोचर आपको जॉब, करियर और बिजनेस के लिहाज से अच्छे फल प्रदान करने जा रहा है. कार्यक्षेत्र में सफलता मिल सकती है. धन के मामले में भी लाभ की प्राप्ति होगी. पारिवारिक दायित्व की पूर्ति कराने में सहायक होगा गुरु। वहीं किसी रिश्तेदार के कारण तनाव भी मिल सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में किया गया प्रयास सार्थक होगा।

धनु राशि- गुरु धनु राशि के स्वामी है यानि आपकी राशि के स्वामी कुंभ राशि में जा रहे हैं, जो शनि की राशि है. शनि और गुरु का संबंध सम है, न मित्रवत और न ही शत्रुवत. इस दौरान आत्मविश्वास बना रहेगा. परिश्रम खूब करेंगे. रचनात्मक प्रयास में सफलता देगा। धार्मिक और व्यावसायिक मामलों में प्रगति होगी। चल अचल संपत्ति में वृद्धि कराएगा। बुद्धिकौशल से किया कार्य सफल होगा।

मकर राशि - गुरु आपके प्रभाव में वृद्धि करेंगे. वाणी में विनम्रता बनाएं रखें. अहंकार से दूर रहें. शिक्षा और करियर में गुरु का राशि परिवर्तन शुभ परिणाम प्रदान कर सकता हैसंतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक मामलों में भी सुधार होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति कराएगा। धार्मिक यात्रा देगा। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कुंभ राशि- गुरु का राशि परिवर्तन आपकी ही राशि में होने जा रहा है. गुरु के आने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कई समस्याओं को दूर करने में सफल रहेंगे. जॉब और बिजनेस में भी अच्छे फल प्राप्त होंगे. चले आ रहे अज्ञात भय पर नियंत्रण होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आपसी संबंध मधुर होंगे।

मीन राशि- आपकी राशि से बारहवें रहेगा गुरु। 14 सितंबर तक कुछ पारिवारिक समस्याएं देगा। भावुकता में कोई निर्णय न लें। बुद्धि विवेक से काम लें।आर्थिक मामलो में चली आ रही दिक्कत दूर होगी. विदेशी संपर्कों से लाभ होगा. यात्रा करनी पड़ सकती हैं. धन का व्यय सोच समझ कर करें. कर्ज देने की स्थिति से बचें. दांपत्य जीवन में मधुरता बनाए रखें.

साप्ताहिक राशिफल

पञ्चाङ्ग : दिनांक 2 फरवरी 2021 कली सम्वत 5122 विक्रम सम्वत 2077 (शार्वरी) नाम शाके 1942 फाल्गुन मास प्रारम्भ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा तिथि वसन्त ऋतु पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र 09:36 तक चंद्र राशि सिंह -13:07 तक सूर्योदय प्रातः 06:47 चंद्रोदय 19:35 दिशा शूल पश्चिम रविवार दिन राहुकाल 16:54 से 18:20 अभिजीत 12.11 मिनट से 12.57 तक प्रदोष व्रत 24.02.2021 माघी पूर्णिमा 27.02.2021 त्रिपुष्कर योग 11:18 से 06:46 मार्च 01 तक सर्वार्थ सिद्धि योग 09:36 से 06:46 मार्च 01 तक !

साप्ताहिक सलाह : अगर आपका हर बार काम बिगड़ रहा है तो घर से निकलते वक्त मुख्य द्वार पर कुछ काली मिर्च रख दें और उन पर पैर रखकर काम के लिए निकलें। आपका प्रयास सफल होने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।

मेष

इस सप्ताह चंद्रमा आपकी कुंडली के छठे, सातवें और आठवें भाव में गोचर करेगा जिस कारण सेहत के मामले में खर्चों में अचानक वृद्धि के साथ सप्ताह शुरू हो सकता है। अपनी माँ की सेहत का अतिरिक्त ध्यान रखें। किसी गलतफहमी के कारण अचानक तनाव की स्थिति पैदा होगी। अपने दुश्मनों से सावधान रहें, वे आपको नीचे खींचने की कोशिश करेंगे। इस सप्ताह किसी को पैसे उधार न दें। परीक्षा में बैठने या नौकरी के लिए इंटरव्यू देने वालों को अच्छी ख़बर मिलेगी। आप अपने साथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे और अपने अच्छे काम के कारण समाज में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

वृष

इस सप्ताह चंद्रमा आपकी कुंडली के पांचवें, छठे और सातवें भाव में गोचर करेगा जिसके कारण सप्ताह अच्छे से शुरू होगा। यदि आप अपने पिछले प्रयासों के कुछ परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे थे तो आप इस सप्ताह कुछ अच्छा सुनने की उम्मीद कर सकते हैं। इस सप्ताह आपको अपनी नौकरी में कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलेगी। अपनी माँ या बूढ़ी महिला के स्वास्थ्य की देखभाल करें। यदि आप कुछ अदालती कार्यवाही से गुजर रहे हैं तो वे इस सप्ताह आपके पक्ष में आएंगे। इस सप्ताह शत्रु आपके नियंत्रण में रहेंगे। इस सप्ताह आपके दाम्पत्य जीवन में कुछ अनबन हो सकती है। इस मामले में तत्काल निर्णय न लें। चर्चा से चीजों को सुलझाने की कोशिश करें।

मिथुन

इस सप्ताह चंद्रमा आपकी कुंडली के चौथे, पांचवें और छठे भाव में गोचर करेगा। सप्ताह आपके कार्य क्षेत्र से अच्छी खबर लेकर आएगा। आपको अच्छा सौदा मिल सकता है या आय के कुछ अतिरिक्त स्रोत मिलेंगे। आप संपत्ति खरीदने की योजना बनाएंगे या आप धन का निवेश करेंगे अपने घर की सजावट में। आप वाहन खरीदने की भी योजना बना सकते हैं जिसके कारण वित्तीय व्यय में अचानक वृद्धि होगी। अपने वित्तीय विस्तार पर नज़र रखें क्योंकि इससे आपको इस सप्ताह चिंता हो सकती है और आपको धन उधार लेना पड़ सकता है।

मिथुन

इस सप्ताह चंद्रमा आपकी कुंडली के तीसरे, चौथे और पाँचवें भाव में गोचर करेगा। इस सप्ताह की शुरुआत बहुत से परिश्रम के साथ होगी। आप अपने परिवार के लिए कुछ आध्यात्मिक काम करने की योजना भी बनाएंगे। आप जो कुछ भी करते हैं उसमें आपको अपनी किस्मत का अच्छा समर्थन मिलेगा। आप संपत्ति खरीदने की योजना बनाएंगे या आप अपने घर की सजावट में पैसा लगाएंगे। विदेश जाने की योजना बनाने वाले इस सप्ताह वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं। आप इस सप्ताह वाहन खरीदने की योजना भी बना सकते हैं। अगर आप शेयर मार्केट में हैं या आपने पैसा लगाया है तो आपको अच्छा मुनाफा मिलेगा। नौकरी करने वाले लोगों को अतिरिक्त सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि कुछ समस्या हो सकती है। बच्चों को अध्ययन में कुछ एकाग्रता ढीली होगी।

सिंह

इस सप्ताह चंद्रमा आपकी राशि से प्रथम, बारहवें और ग्यारहवें भाव में गोचर करेगा। यह सप्ताह आपको समाज में अच्छा नाम और प्रसिद्धि दिलाएगा। इस सप्ताह आप अपनी आय में अचानक वृद्धि देखेंगे। साथ ही आपके व्यय में भी वृद्धि होगी। यदि आप इस सप्ताह किसी परीक्षा में शामिल हुए और परिणाम की उम्मीद करते हैं, तो आप इस तरफ से सकारात्मक समाचार की उम्मीद कर सकते हैं। आप इस सप्ताह में अपने बच्चों से अच्छी खबर की उम्मीद कर सकते हैं। इस सप्ताह अपने स्वास्थ्य पर अतिरिक्त ध्यान दें।

कन्या

इस सप्ताह चंद्रमा आपकी राशि से दसवें, ग्यारहवें और बारहवें भाव में गोचर करेगा। यह सप्ताह प्रोफेशनल लाइफ से अच्छी खबर लेकर आएगा। आप इस सप्ताह अपनी नौकरी में पदोन्नति की उम्मीद कर सकते हैं। आपको अपने वरिष्ठों से सराहना भी मिलेगी। बच्चे अच्छा करेंगे। छात्र अच्छे परीक्षा परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। सप्ताह अचानक खर्च में वृद्धि और अस्वस्थता के साथ समाप्त होगा।

तुला

इस सप्ताह चंद्रमा आपकी राशि से नवम, दशम और एकादश भाव में गोचर करेगा। इस सप्ताह की शुरुआत काफी कड़ी मेहनत से हो सकती है जो आपको निकट भविष्य में अच्छा लाभ देगा। आप अपने परिवार के साथ छोटी यात्रा की योजना भी बना सकते हैं। आप इस सप्ताह अपनी नौकरी में पदोन्नति की उम्मीद कर सकते हैं। आपको अपने वरिष्ठों से सराहना भी मिलेगी। बच्चे अच्छा करेंगे। छात्र अच्छे परीक्षा परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। आप इस सप्ताह में विभिन्न स्रोतों से धन लाभ की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक

इस सप्ताह चंद्रमा आपकी राशि से अष्टम, नवम और दशम में गोचर करेगा। यह सप्ताह व्यक्तिगत मोर्चे पर संघर्ष के साथ शुरू होगा, हालाँकि विभिन्न स्रोतों से धन लाभ भी होगा। आप इस सप्ताह बहुत परिश्रम करेंगे जो आपके प्रोफेशनल जीवन में अच्छा लाभ देगा। आप किसी धार्मिक गतिविधि में भी शामिल होंगे या परिवार के साथ छोटी यात्रा की योजना बना सकते हैं। आपको शांत रहने की आवश्यकता है, अन्यथा यह आपके जीवन में शांति को प्रभावित कर सकता है

धनु

इस सप्ताह चंद्रमा आपकी राशि से सातवें, आठवें और नौवें भाव में गोचर करेगा। इस सप्ताह आप अपने जीवन में कुछ खास हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। आप इस सप्ताह किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल होंगे या परिवार के साथ छोटी यात्रा की योजना बना सकते हैं। इस सप्ताह आप जो कुछ भी करेंगे उसमें आपको भाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा। वैवाहिक जीवन इस सप्ताह आनंद और खुशियों से भरा रहेगा। इस सप्ताह आपको कुछ मौद्रिक लाभ भी मिलेंगे।

मकर

इस सप्ताह चंद्रमा आपकी राशि से छठे, सातवें और आठवें भाव में गोचर करेगा। यह सप्ताह व्यय के साथ शुरू होगा। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति अतिरिक्त ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। बदलता मौसम आपके स्वास्थ्य और बचत को प्रभावित कर सकता है। मध्य सप्ताह आपके वैवाहिक जीवन खुशी और आनंद से भरा रहेगा। आप इस सप्ताह साझेदारी में काम करने की योजना भी बनाएंगे। आप इस सप्ताह अच्छे मौद्रिक लाभ की उम्मीद कर सकते हैं।

कुंभ

इस सप्ताह चंद्रमा आपकी राशि से छठे, पांचवें और सातवें में गोचर करेगा। यह सप्ताह उन लोगों के लिए अच्छी खबर लेकर आएगा जो कुछ परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस सप्ताह बच्चे अच्छा करेंगे। इस सप्ताह व्यय में अचानक वृद्धि हो सकती है। आपको अपने स्वास्थ्य पर अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता है। बदलता मौसम आपके स्वास्थ्य और बचत को प्रभावित कर सकता है। सप्ताह के अंत में आपका वैवाहिक जीवन खुशी और आनंद से भरा होगा। आप इस सप्ताह साझेदारी में काम करने की योजना भी बनाएंगे या जो लोग साझेदारी के व्यवसाय में हैं उन्हें लाभ मिलेगा।

मीन

इस सप्ताह चंद्रमा आपकी राशि से चौथे, पांचवें और छठे स्थान में गोचर करेगा। इस सप्ताह आप संपत्ति खरीदने में अपना पैसा लगाएंगे या अपने घर के लिए कुछ लक्सरी वस्तु भी खरीद सकते हैं। सप्ताह प्रोफ़ेशनल जीवन में अच्छे परिणाम लेकर आएगा। जो लोग पदोन्नति या वेतन में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं, उन्हें इस सप्ताह अच्छी खबर मिल सकती है या नौकरी की तलाश करने वाले भी इस सप्ताह अच्छे परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। इस सप्ताह बच्चे अच्छा करेंगे। छात्र अच्छे परीक्षा परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। इस सप्ताह अचानक खर्च में वृद्धि हो सकती है। आपको अपने स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। बदलता मौसम आपके स्वास्थ्य और बचत को प्रभावित कर सकता है।

आचार्य राजीव
फोन पर परामर्श के लिये
सम्पर्क करे: 9811294025
Email: rajeev.yadav0506@gmail.com

अपनी समस्या के निवारण के लिए अपनी समस्या साझा करें, जवाब पाएं अगले संस्करन में । कृपया अपनी जन्म तारीख, जन्म समय के साथ जन्म स्थान ईमेल करें।

ADVERTISE IN
दिल्ली TODAY
Navaratri Special Issue - 11th April, 2021

AJAY SINGH
Founder & Managing Director
Ph: 981800 5435

PRAVEEN KUMAR
Director of Sales & Marketing
Ph: 991114 1412

AAA MEDIA GROUP

BRAND BUILDING • WEBSITES • SOCIAL-MEDIA MARKETING
MEDIA PROMOTIONS • TELEVISION ADVERTISING

Contact us: 981800 5435; 991114 1412

WE ARE HIRING !
Freshers

ONLINE AND OFFLINE POSITIONS

EDITORS • REPORTERS • SALES EXECUTIVES
WEB-DESIGNERS • WEB DEVELOPERS

Email your resume at info@aaamediagroup.in

'The Pearl of Immortality' follows the story of Xerxes, a fifteen-year old boy from 18th century Persia

— **Vaishali Tyagi** (Team Delhi Today)

Q1. What was the inspiration for this fantasy novel? Tell us about its story and how did the plot evolve?

In seeking untapped waters as far as fantasy world-building is concerned, I chanced upon the mythology of Mesopotamia. Further research indicated that the deities of this era were in possession of super-extraordinary powers of magic, a fact that awed and lured me into this intriguing world. Merging traces of Hindu and other legends as well, I used my creative expertise and fashioned a home for The Sands of Time series.

The Pearl of Immortality follows the story of Xerxes, a fifteen-year old boy from 18th century Persia, who gets magically teleported to the fictional planet, Ishtar in the Alpha Centauri star system. In a world so different from Earth, a world dominated by the Light and Dark forces of magic, Xerxes learns of his new identity as a Dragon Rider and gets catapulted into a succession of perilous magical ventures.

Q2. Tell us about the process of research that you put for the book?

The Pearl of Immortality draws its main inspiration from Mesopotamian mythology, a completely unchartered territory as far as world-building is concerned. For this reason, several years of arduous research have been expended for the purpose of my series. By immersing myself absolutely into the literature, art, religious texts, and myths of the time, I equipped myself to write a very unique fantasy series.

I have also studied various academic texts on the language of this era, and inspired by such translations, have created a magical language for the Sands of Time series which I call the Supreme Words.

3. What are the fantasy characters that you have created. Where did you have to look for to develop ideas about characters, storyline and setting

My fantasy creations are super-beings of tremendous magical potential, called the Elder Gods and the Aryans. The antagonist race are the Nagas, serpent-beings of equally great magical powers. I have created a range of magical creatures all of which are wholly unique, born purely out of the figment of my imagination. My subconscious mind is the sole supplier of all my ideas for characters, storyline and characters.

Q 3.What was the difficult aspect of writing the book?

Being the first book of the series, there was enormous pressure to guarantee that I had effectively built a world to permit the remainder of the books to comfortably emerge. It was a task that demanded great dexterity, an undertaking that also required me to have sufficient foresight into the remainder of the books in my series and to ensure that there would be a logical flow from book one to seven. I am totally satisfied that I have adeptly engineered this project.

Q 4. What has influenced your work? Any fantasy books that you loved and why. Any special memories of reading fantasy books as a teenager that transported you to a different world.

I have known fantasy from the works of Enid Blyton, which completely shaped my world as a child. I bestow credit upon the Hardy Boys series, which evoked a passion in me for adventure, which greatly plays out in my work. I quite favour the current Sword of Shannara series by Terry Brooks, which also blends adventure into fantasy, very much like my own work.

Q 5 . This book is part of an ambitious seven-book series The Sands of Time. Tell us about it. When will the other books come?

Whilst Book One focuses on regaining and restoring a rare and magical artefact, the Pearl of Immortality to a mythical dragon, the overall quest of the series is to seek the Seven Sands of Time.

Nishi Chandermun

The Sands are part of a magical structure that permits the free flow of Time on Ishtar and which were lost thousands of years ago, bringing the planet close to annihilation

It was necessary for me to divide the series into seven books, concentrating on a particular Sand per book.

I have worked substantially on Book 2 in the series which I hope to publish sometime next year. Book 3 is also part of my current working project.

Q 6. How are you trying to create your own space and niche with this debut book.

My originality, I am certain, will permit me my own space in a very competitive market. My work, which incorporates my writer's voice, the unique characters and magical creatures that I have created, together with a world-building that is unheard of, is much-loved by my readers. The wonderful reviews that I have received thus far for The Pearl of Immortality is attestation that I am in the process of creating a niche for my series.

Q 7. You live in Cape Town and have graduated with a Law degree and have also studied psychology but still choose to take writing as a career. Why?

I live in Durban and frequently visit Cape Town as my most cherished holiday destination.

I have written for as long as I can recall. From bits of fiction to poetry, pen and paper have always been my preferred tools. However, having a very strong academic mind as well, I embarked to university where I studied law and psychology under the notion that writing was a distant fancy.

Nevertheless, the writer in me would not relent. Not finding solace within myself after many years, I knew it was time to surrender to the greatest passion within me. It was time to put pen to paper.

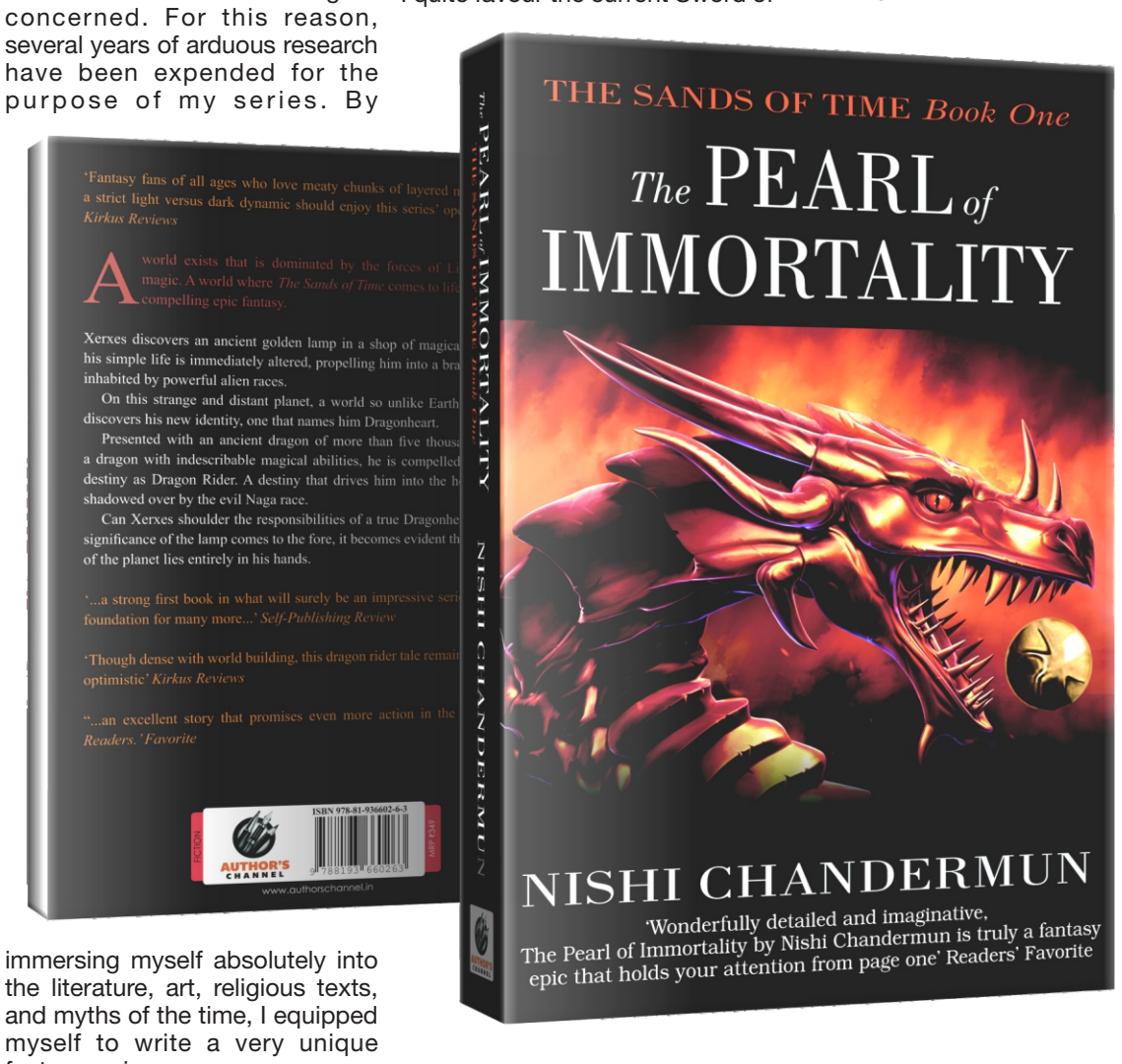

10अप्रैल को होगा स्काईटच मिस एंड मिसिस क़्वीन ऑफ़ इंडिया सीजन 4 का ग्रैंड फिनाले !!

राजधानी दिल्ली में स्काईटच मिस एंड मिसिस क़्वीन ऑफ़ इंडिया सीजन 4 का आयोजन 10 अप्रैल को होने जा रहा है

महिला सशक्तिकरण हेतु होने जा रहे इस प्रतियोगिता के बारे में हमे प्रोग्राम की निर्देशक ज्योति यादव ने हमे बताया इस प्रतियोगिता में देश के हर हिस्से से महिला और लड़किया हिस्सा लेती है ये प्रोग्राम महिला को आगे बढ़ने और अपना हुनर दिखाने का एक अच्छा मौका है स्काईटच फाउंडेशन नाम की संस्था इस प्रतियोगिता को हर साल करती है ताकि महिला अपना हुनर दिखाए और अपना नाम रोशन करे, इस से पहले भी 3 सीजन किये जा चुके है !!

अर्चना त्यागी नाम की एक महिला ने सीजन 1 में हिस्सा लिया था वो एक हाउस वाइफ थी और प्रोग्राम में हिस्सा लेने के बाद उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ा और आज अर्चना त्यागी मिसिस इंडिया इंटरनेशनल, मिसिस यूनिवर्स फ्रॉम फिलिपीअन्स बन चुकी है, इस तरह स्काईटच फाउंडेशन इस प्रोग्राम के दुवारा महिला को आगे बढ़ा रहे है ताकि महिला आत्मनिर्भर बने, प्रोग्राम के आयोजक जावेद खान और ममता माथुर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंदर मोदी जी के बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ और आत्मनिर्भर भारत मिशन से काफी प्रभावित है और स्काईटच फाउंडेशन संस्था से महिला को आत्मनिर्भर बनाना चाहते है ताकि महिला देश का नाम रोशन करे, अगर कोई भी महिला इस प्रोग्राम में हिस्सा लेना चाहती है तो स्काईटच फाउंडेशन की वेबसाइट पर जा कर अपना रजिस्ट्रेशन कर सकती है या दिए गए नंबर पर कॉल कर सकती है 9310078913 ये सभी जानकारी हमे प्रोग्राम की निर्देशक ज्योति जी ने दी !!

ADMISSIONS OPEN
For New Session 2021-2022 - Nursery, KG, & Ist to IX
Smt. Misri Devi Gyan Niketan
(Sr. Secondary Recognised & Affiliated to CBSE)
Address: Goyla Road, Shyam Vihar, Najafgarh, ND-110043 | E-mail smdgn.academic@gmail.com
Required: Principal and PGTs & TGTs (All Subjects) PRTs, PET. Special Educators, Drawing Teachers
Ph: 9811322808, 7217769696 or 9811322817

Wings
The Women Store
Ph: 8447125042
9250231183
Deals in: Kurtis, Leggings, Sarees, Plazos, Handbags, Bedsheets, Jewellery etc.
2/3 HDFC Bank Wali Gali, Prem Nagar, Najafgarh, New Delhi - 110043

Daisy Dale Convent School (Recognised)
A RIGHT STEP TOWARD'S BRIGHT FUTURE...
ADMISSION OPEN
SESSION - 2021-22
PRE-NURSERY to VIII
Limited Seats Available For E.W.S Students
183-B, A-Block, Shyam Vihar, Phase-1, Najafgarh
Ph. 9810919321, 9354418428

mothersvalleyschool@gmail.com
A UNIT OF DAISY DALE CONVENT SCHOOL
Mother's Valley School (Recognised)
ADMISSION OPEN
SESSION 2021-22
PRE-NURSERY to VIIIth
GOYALA, DWARKA SECTOR-19 9810919321, 8131854446/47

KRD International Sr. Sec. School
(Recognised & Affiliated to CBSE)
ADMISSIONS OPEN
APPLICATIONS INVITED FOR
Wanted Trained & experienced staff PGT, TGT, Maths, Science, English. Also one Special Educator
Main Dhansa Road, Opp. Air Force Station, Issapur, ND - 110073
Ph No: 9582955047, 9210660478

दिव्य संजीवनी आरोग्य केंद्र
सभी बीमारियों का बिना साइड इफेक्ट के सफल नुस्खो द्वारा इलाज किया जाता है |
बवासीर:- बिना टिका व बिना ऑपरेशन के ठीक किया जाता है।
पथरी: - गुर्दे व अन्य प्रकार की पथरी बिना ऑपरेशन के निकाली जाती है ।
सिर दर्द, डिप्रेशन, सर्वाइकल, गर्दन व कंधो का दर्द, हाथों व पैरो में सुन्नपन, सियाटिका का दर्द, घुटनों का दर्द ऐडी व पंजों का दर्द, दमा, घबराहट, कब्ज, चर्म रोग (करात जनेउ) ब्लड प्रेशर (उच्च व निम्न) नसों में कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, शुगर(मधुमेह)
पुरुष रोग:- अंडकोष के रोग, नपुंसकता शुक्राणुओं की कमी |
स्त्री रोग : श्वेत प्रदर व अन्य गुप्त रोग ।
RZ-11, एक्स ब्लॉक, सहीद राजेश गिलमार्ग, गुड़गाँव रोड
नजफगढ़, नई दिल्ली -110043 | MOBILE : 80766-39392
ब्लड प्रेशर व शुगर (मधुमेह) जाचने की सुविधा

For Advertising in DELHI TODAY please call
Anil: 99904-28325

REFORMS NEEDED IN THE INDIAN EDUCATION SYSTEM POST COVID -19

— **Vaishali Tyagi** (Team Delhi Today)

Amidst the rapid spread of the novel COVID-19, everyone has to witness a worldwide lockdown and so with the case of educational institutes from around the world to curb the spread of the disease. This closure of schools and universities brought out the extraordinary ripple effect not just on students, teachers, schools, colleges but education ministry as well because they also have to ensure the quality of education for all while taking into accounts the different needs and resources. Schools and universities have never faced this level of disruptions in generations and current education system witnessing a major shift from in-school learning to online learning especially Indian Education System due to lack of connectivity and tech savviness and this shift came out with great challenges.

According to a survey, 1.54 billion children and youth have been affected after the closures of schools and colleges for an unknown time due to unprecedented lockdown across the world.

If we talk about just India, Indian school system is considered to be one of the largest in the world, with 247+ million students and 9+ million teachers across 1.5+million schools. After the suspensions of physical classes in schools and colleges by the Indian government for an uncertain time depending upon the widespread of the virus which in turn will severely impact students, as the planned syllabus will have to be covered in a shorter period of time and this came out with a plethora of challenges for all learners and education providers. Because for Indian students shifting form offline to online learning is quick and drastic. Unlike urban institutions which have already adopted online learning to some extent, there is limited access to e-devices amongst semi urban and rural educational institutes. Even after the comprehensive efforts to combat the challenges from both the sides there were still some roadblocks due to less accessibility of resources. There were no such readiness of school staff who have had limited exposure to online tools and were never trained to deliver online learning and teaching .

A pandemic which made us stay at home, due to which everyone from an office employ for a meeting to a lower kindergarten kid have to introduce themselves to online meeting platforms like Microsoft Team or Google Meet. Before the pandemic, e-learning was still considered an option for enhancing the quality of learning and teaching but was not implied into practical approach which led to massive failure in education system in early days of pandemic when all school and college faculties were forced to work online and to cope with the change.

STUDENTS SEEMED STRESSED AND PARENTS TOO!

After all the schools and colleges were shut and it was extended further and further with the rising cases of corona patients in India. It was the time when all school and colleges conduct final exams to promote the students but disruptions caused by pandemic disturbed not just the exam schedule of institutions but the whole academic calendar as well.

Seeing the conditions both board and school exams were postponed but later students from classes nursery to 8th were promoted under no-detention policy and various state boards and CBSE decided to postpone exams of classes 10th and 12th . It was not just up to schools but different colleges also decided to reschedule the exam dates. Then notification came when CBSE released its datesheet for remaining board exams but some state boards promoted students without taking any exam. And students of I and II year in colleges were also promoted without any written exams based on their internal assessments but exams of final year students were conducted in both offline and online mode. A few days later, final notifications came form HRD ministry no written exams will be conducted for 10th and 12th boards but will be promoted with a new formula of marks calculation and results were declared later on July 15, 2020.

And in between of all these postponement and cancellations, have cause a worrisome side effect on student's mental health. Sudden closure of colleges and schools have negative impact especially on vulnerable class. School students also mentioned that this process of promoting them also hampered their ability to enroll in college whereas college students disproportionately impacting their health. Here colleges need to be little proactive and sensitive while reaching to vulnerable class because they need additional support in terms of technology. Closures of schools and colleges did not bring stress not just to teachers and students but for parents as well. There are not many parents who can afford work from home too because of limited gadgets they need to share with their kids for their online classes and there are many others whose parents don't have smartphones and many more such hurdles came into way for students and parents to make the accessibility of education possible.

Government (MHRD) also runs some e-learning platforms like SWAYAM which have somewhat 1800+ courses available on it so that students can continue their education. there are more such platforms run by ministry like Diksha, e-pathshala, NROER, etc. But no internet connectivity in rural zones is the main loophole in digital learning. There are some TV channels which run classes for limited classes and SWAYAM Prabha DTH TV is also telecasted. But these efforts are not enough to ensure quality learning for all.

EARLY CHALLENGES

Major shift was observed which is not so common in Indian education system is moving from face-to-face teaching to online education. Our education system and policies found to be very delicate when it comes to emergency remote teaching especially it seems very blur for vulnerable class people who lack such supporting equipments with the help of which they can continue the leaning without any disruptions. Even before that, are institutions and teachers fully aware of the planned and organized learning and over that emergency remote learning? Did ever our education system bothered about the quality education for everyone even in emergency? Did ever our top education management try to understand the problems of teachers who always taught in a traditional classroom and now suddenly being asked to teach online ?

SUCH SOLUTIONS REQUIRED !

- Many such questions can outnumber the stars in the sky in this given situation but it would be great if we manage to resolve the issues without taking much time. We need to support this transition by developing the digital skills of educators and then transmit these digital skills to students also through various workshops. Teachers should be emphasized to live and work in an increasingly digital world where they are required to be digitally competent. Indian education system has a necessary need for better knowledge about integration of ICT into education – which in current times does not align well with the 21st century advancements. We need to work on both the sides on learners as well educators. Major challenges faced by educators are:
- Developing a virtual learning community at a distance
- Adapting to a new teaching style from on-campus to online classrooms
- Major challenge, maintain and updating online course material
- Developing a whole new online community can be difficult, but it is essential now.
- Teachers need to be trained now to overcome their tech roadblocks while using various tech tools.
- Professional development programs should be held. Regular webinars for school teaching staff to encourage e-learning.
- Hosting of short remote group sessions for teachers to take on assignments and discuss solutions.
- Conducting one-on-one session to tackle emergency issues one as covid-19 for both teaching and non-teaching staff of educational institutes.
- Another approach required is to distinguish the children based on levels of connectivity be it school kids or a college graduate.
- **LEVEL 1:** Children with good internet connectivity and have good access to supporting facilities with many learning opportunities from their remote learning program.
- **LEVEL 2:** Children with good internet and accessory facilities but limited learning opportunities.
- **LEVEL 3:** Children with no internet connectivity and poor access to equipments without any learning opportunity.

As a result, children from most vulnerable class suffers the most, because they either attend government schools or small private schools which have no such specific facilities. Additionally, students who attend these schools are often from poor, low-income families and they have least interaction with tech gadgets.

Making an appropriate balance in terms of resource availability should be priority from all the ends so that the education as a basic and crucial necessity can be further woven together in new ways for diverse audiences, large and small. Government should enforce more strategic and ambitious approach in their education system to widen the scope beyond formal education to non-formal and lifelong. Learners must also be inculcated who see things with practical approach and resolve the issues, be it a sudden closure of educational institute due to pandemic or any such situation again. Indian educational institutes must embrace technology in early stages with open heart and propagate the same to students as it is there, where their future lies and does not come like an alien thing in their later times.

This pandemic have taught us to make necessary changes in our education system with an urgency to start progressive actions in education sector so that it helps young generation to get the quality education despite of any circumstances.

WASH HANDS REGULARLY

USE HAND SANITISERS

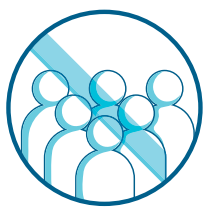
AVOID CROWDED PLACES

WEAR FACE-MASK

MAINTAIN SOCIAL-DISTANCING

For Advertising in DELHI TODAY please call Anil: 99904-28325

WHERE EXCELLENCE AND DISCIPLINE IS THE TRADITION

EVERGREEN SR. SEC. PUBLIC SCHOOL

Recognised & Affiliated to CBSE from Nursery to XII

(Science, Arts & Commerce Streams)

Adjacent to CRPF Campus Sainik Enclave Part-III, Jharoda Kalan, Just 3Km. away from Najafgarh and 8 Km. from Bahadurgarh

Admissions Open for Classes Nursery to XI th

Many selections medical and IIT every year

WHY WITH US ??? BECAUSE WE ARE UNIQUE IN THIS AREA

• Pollution Free Environment • Well Equipped Labs • CCTV Monitoring • Smart Class Rooms
• Well Disciplined • Well Maintained Sports Complex • Fee Concession for Economically Weaker Section
• Most affordable school in this area • *German language coming soon...*

Founder: Dr. Rajni Bala (HES)

Website: www.evergreenpublicschool.com
Ph: 9810511889, 9654113022, 9958330400